

दूआ पुं. (तद्.) 1. ताश के पत्तों में से दो के अंक वाला पत्ता, दुक्का 2. पासे में वह दौंव जब ऊपर दो बिंदियाँ दिखें 3. कौड़ियों के खेल में दो कौड़ियों का खुलना 4. दूसरा, दूजा।

दूकान स्त्री. (फा.) दे. दुकान।

दूकानदार पुं. (तत्.) दे. दुकानदार।

दूकानदारी पुं. (फा.) दे. दुकानदारी।

दूखन पुं. (तद्.) दे. दूषण।

दूज स्त्री. (तद्.) चाँद्र मास के किसी पक्ष की दूसरी तिथि, द्वितीया मुहा. दूज का चाँद होना- कभी कभी (बहुत कम) दिखना (वस्तुतः मुसलमानों का त्यौहार ईद-उल-फितर दूज की तिथि को ही पड़ता है और उस दिन चंद्रमा कभी-कभार ही दिखलाई पड़ता है)।

दूजा वि. (तद्.) दूसरा।

दूत पुं. (तत्.) 1. संदेश पहुँचाने वाला व्यक्ति, हरकरा 2. आधिकारिक रूप से भेजा गया प्रतिनिधि जैसे- राजदूत।

दूतकर्म पुं. (तत्.) दूत का कार्य।

दूतकाव्य पुं. (तत्.) काव्यों का वह प्रकार जिसमें किसी संदेश को किसी वाहक/दूत के माध्यम से अन्यत्र भेजा जाता है, संस्कृत में ऐसे काव्यों की परंपरा रही है।

दूतमंडल पुं. (तत्.) राज. किसी देश द्वारा दूसरे देशों में समझौता करने, संबंध स्थापित करने आदि उद्देश्यों की पूर्ति हेतु आधिकारिक रूप से भेजा गया प्रतिनिधिमंडल।

दूतालय पुं. (तत्.) दे. दूतावास।

दूतावास पुं. (तत्.) 1. विदेशों में राजदूत के रहने का स्थान या कार्यालय 2. अपने देश में विदेशी राजदूतों का कार्यालय टि. राष्ट्रमंडलीय देशों के राजदूतों को उच्चायुक्त/हाई कमिश्नर और उनके कार्यालयों को उच्चायोग/हाईकमीशन कहा जाता है।

दूतिका पुं. (तत्.) दे. दूती।

दूती स्त्री. (तत्.) 1. महिला दूत 2. प्रेमी तथा प्रेमिका के प्रेम संदेशों को एक-दूसरे तक पहुँचाने वाली स्त्री।

दूध पुं. (तद्.) 1. स्तनपाई प्राणियों में स्त्री (मादा) के स्तनों से निकलने वाला सफेद द्रवपदार्थ जिसे उसके बच्चे (ठोस पदार्थ ग्रहण करने की आयु तक) पोषक आहार के रूप में पीते हैं 2. कच्चे अन्न के दानों या कुछ वृक्षों से निकलने वाला सफेद द्रवपदार्थ, पय, दुग्ध मुहा. दूध उतरना-पुत्र स्नेह के कारण स्तनों में दूध का आ जाना, मुहा. दूध का उबाल- क्षणिक आवेश जैसे- दूध के उबलने पर पानी का एक छींटा उसे शांत दूर कर देता है; दूध का जला-सामान्य व्यक्ति से भी जिसे धोखा मिला हो; दूध का दूध और पानी का पानी होना- सचमुच न्याय होना; दूध की मक्खी- निकृष्ट या निरूपयोगी; दूध के दाँत- जन्म के बाद पहली बार निकलने वाले दाँत, पाँच-छह वर्ष की आयु में ये दाँत गिर जाते हैं और उनके स्थान पर नए मजबूत दाँत निकलते हैं, बच्चा या अबोध होने का प्रतीक; दूध के दाँत टूटना- बचपन की समाप्ति और समझदारी का प्रारंभ जैसे- अभी तो दूध के दाँत नहीं टूटे; दूध छुड़ाना- माँ का दूध पीने की आदत छुड़ाना; दूध तोड़ना- किसी दुधारु पशु का दूध कम देने लगना; दूध देने वाली गाय- वह जिससे किसी प्रकार का लगातार लाभ मिलने लगा हो; दूध फटना- दूध का जल अंश और ठोस भाग अलग हो जाना; दूध फाड़ना- नींबू का रस इत्यादि मिलाकर दूध को फटने देना; दूधों नहाना- पूतों फलना- सुख-संपत्ति और पुत्र-पौत्रों से घर भर जाना।

दूध-पूत पुं. (तद्.) धन-धान्य और बेटे-बेटी-नाती-पोतों से युक्त होने की स्थिति।

दूध-बहिन स्त्री. (तद्.) अपनी माँ का दूध पीने वाली या मानी जाने वाली बहन।

दूध-भाई पुं. (तद्.) एक माँ का दूध पीकर पले-बढ़े भाई जो सगे न हों।